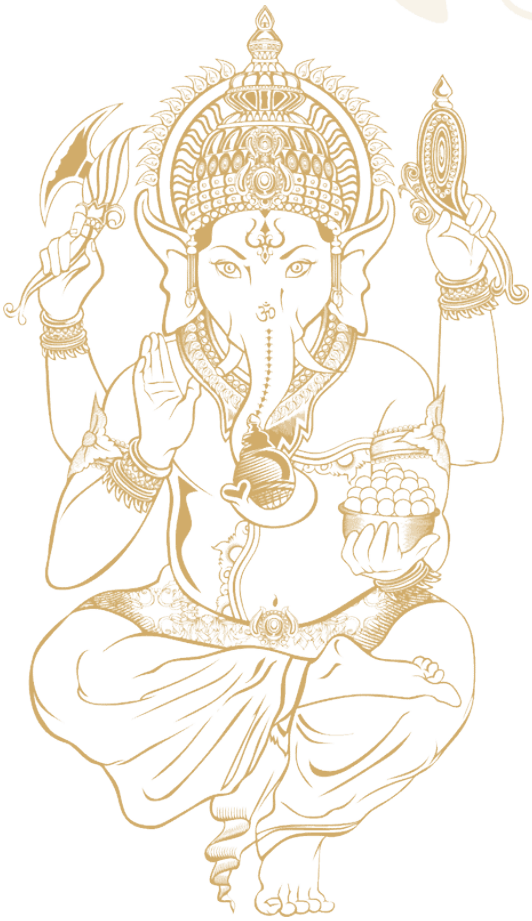

# Mr.Aman Sharma

# Ms.Tanvi Kaushik

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119333701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119333701 Date: 03/09/2025

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 7-08/12/1994 | जन्म तिथि | 02/01/1997 |
| बुध-गुरुवार | दिन | गुरुवार |
| घंटे 00:20:00 | जन्म समय | 19:45:00 घंटे |
| घटी 43:18:08 | जन्म समय(घटी) | 31:16:34 घटी |
| India | देश | India |
| Muzaffarnagar | स्थान | Muzaffarnagar |
| 29:28:00 उत्तर | अक्षांश | 29:28:00 उत्तर |
| 77:42:00 पूर्व | रेखांश | 77:42:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:19:12 | स्थानिक संस्कार | -00:19:12 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 07:00:44 | सूर्योदय | 07:14:22 |
| 17:20:30 | सूर्यास्त | 17:32:19 |
| 23:47:22 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:48:56 |
| सिंह | लग्न | कर्क |
| सूर्य | लग्न लग्नाधिपति | चन्द्र |
| मकर | राशि | कन्या |
| शनि | राशि-स्वामी | बुध |
| धनिष्ठा | नक्षत्र | चित्रा |
| मंगल | नक्षत्र स्वामी | मंगल |
| 1 | चरण | 1 |
| व्याघात | योग | अतिगण्ड |
| कौलव | करण | कौलव |
| गा-गगन | जन्म नामाक्षर | पे-पैनी |
| धनु | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मकर |
| वैश्य | वर्ण | वैश्य |
| जलचर | वश्य | मानव |
| सिंह | योनि | व्याघ्र |
| राक्षस | गण | राक्षस |
| मध्य | नाड़ी | मध्य |
| मार्जार | वर्ग | मूषक |

**Pt.Yogendra Kumar Sharma**
B-622Murlipra Scheme Jaipur
919314234454

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मंगल 5वर्ष 4मा 13दि | | 24:24:51 | सिंह | लग्न | कर्क | 17:36:05 | मंगल 6वर्ष 6मा 0दि | |
| गुरु | | 21:39:10 | वृश्चि | सूर्य | धनु | 18:25:00 | गुरु | |
| 22/04/2018 | | 26:26:06 | मक | चंद्र | कन्या | 24:17:09 | 04/07/2021 | |
| 22/04/2034 | | 05:00:58 | सिंह | मंगल | कन्या | 05:56:42 | 04/07/2037 | |
| गुरु | 09/06/2020 | 18:07:58 | वृश्चि | बुध व | धनु | 17:08:19 | गुरु | 22/08/2023 |
| शनि | 21/12/2022 | 05:50:51 | वृश्चि | गुरु | मक | 01:43:22 | शनि | 04/03/2026 |
| बुध | 28/03/2025 | 12:20:22 | तुला | शुक्र | वृश्चि | 26:37:29 | बुध | 09/06/2028 |
| केतु | 04/03/2026 | 12:35:23 | कुंभ | शनि | मीन | 07:36:07 | केतु | 16/05/2029 |
| शुक्र | 02/11/2028 | 20:35:56 | तुला व | राहु व | कन्या | 08:37:16 | शुक्र | 15/01/2032 |
| सूर्य | 21/08/2029 | 20:35:56 | मेष व | केतु व | मीन | 08:37:16 | सूर्य | 02/11/2032 |
| चन्द्र | 21/12/2030 | 00:22:41 | मक | हर्ष | मक | 09:32:32 | चन्द्र | 04/03/2034 |
| मंगल | 27/11/2031 | 27:55:51 | धनु | नेप | मक | 03:04:18 | मंगल | 08/02/2035 |
| राहु | 22/04/2034 | 04:51:48 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 10:37:26 | राहु | 04/07/2037 |

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**23:47:22 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:56**

## लग्न-चलित

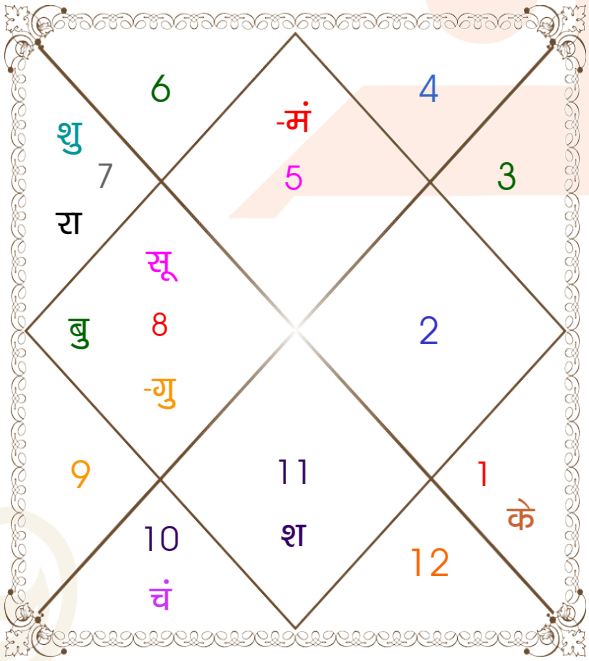


## लग्न-चलित

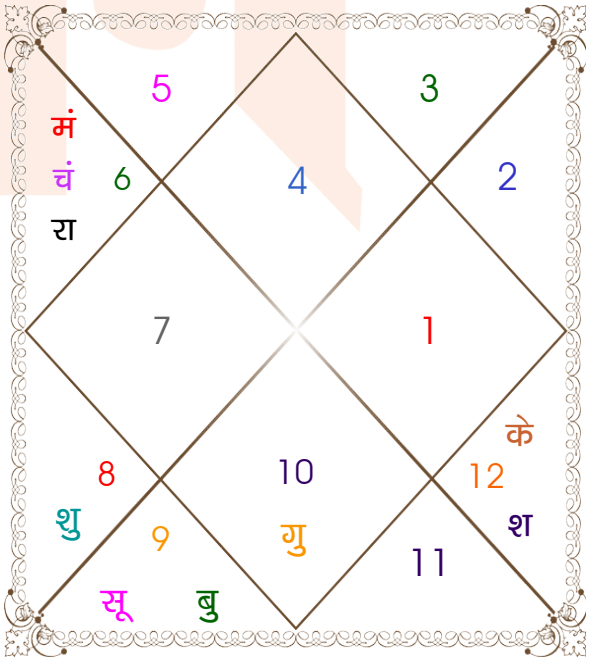


**Pt.Yogendra Kumar Sharma**
B-622Murlipra Scheme Jaipur
919314234454

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | वैश्य | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | जलचर | मानव | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | जन्म | जन्म | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | सिंह | व्याघ्र | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शनि | बुध | 5 | 4.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | राक्षस | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मकर | कन्या | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | मध्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 17.00 | | |

कुल : **17 / 36**

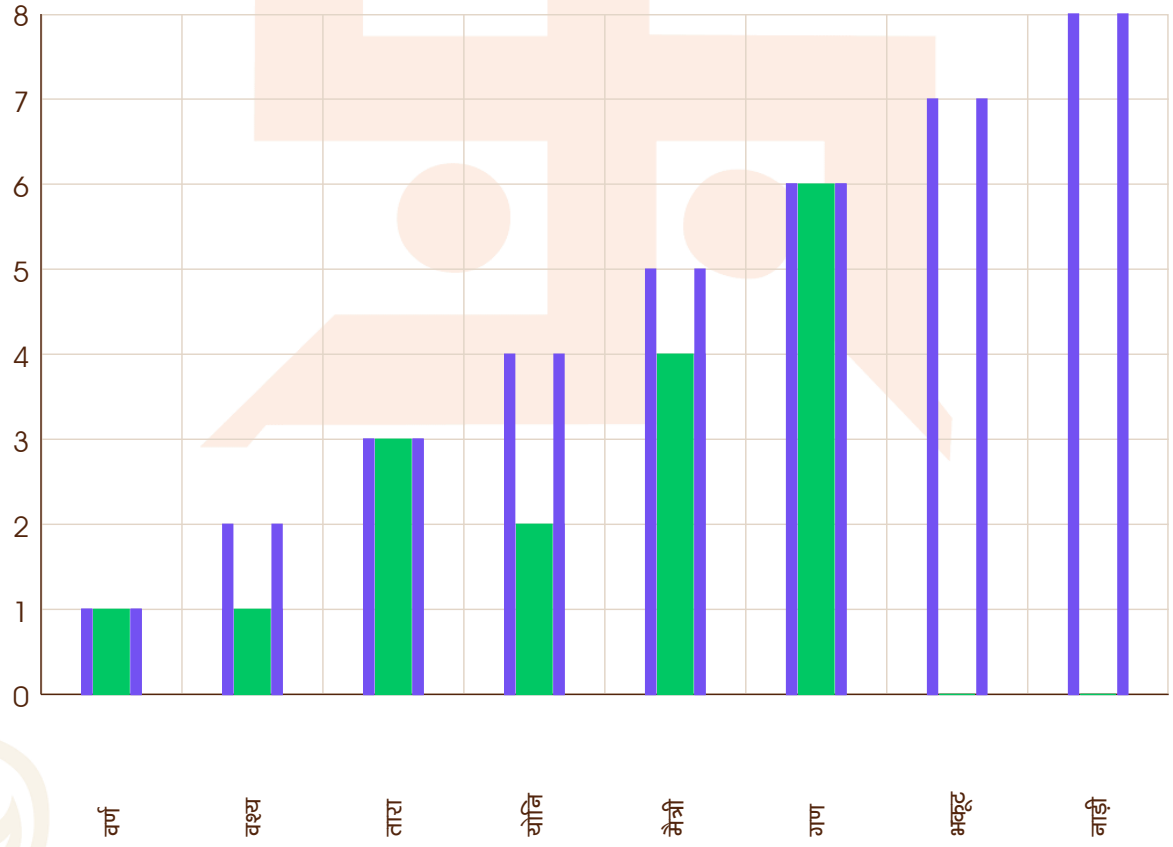


**Pt.Yogendra Kumar Sharma**
B-622Murlipra Scheme Jaipur
919314234454

# अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

डतण ।उंदौंतउं का वर्ग मार्जार है तथा Ms.Tanvi Kaushik का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।उंदौंतउं और Ms.Tanvi Kaushik का मिलान ठीक नहीं है।

## मंगलीक दोष मिलान

डतण ।उंदौंतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms.Tanvi Kaushik मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.Tanvi Kaushik कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ।उंदौंतउं तथा Ms.Tanvi Kaushik में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

डतण ।उंदौंतउं का वर्ण वैश्य है तथा Ms.Tanvi Kaushik का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण डतण ।उंदौंतउं और Ms.Tanvi Kaushik दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। डतण ।उंदौंतउं और Ms.Tanvi Kaushik दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

## वश्य

डतण ।उंदौंतउं का वश्य जलचर है एवं Ms.Tanvi Kaushik का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Ms.Tanvi Kaushik अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि डतण ।उंदौंतउं उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

## तारा

डतण ।उंदौंतउं की तारा जन्म तथा Ms.Tanvi Kaushik की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

## योनि

डतण ।उंदौंतउं की योनि सिंह है तथा Ms.Tanvi Kaushik की योनि व्याघ्र है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण ।उंदौंतउं का राशि स्वामी Ms.Tanvi Kaushik के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि Ms.Tanvi Kaushik का राशि स्वामी डतण ।उंदौंतउं के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

## गण

डतण ।उंदौंतउं का गण राक्षस है तथा Ms.Tanvi Kaushik का गण भी राक्षस है। अर्थात Ms.Tanvi Kaushik का गण डतण ।उंदौंतउं के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण डतण ।उंदौंतउं एवं Ms.Tanvi Kaushik दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

## भकूट

डतण ।उंदौंतउं से Ms.Tanvi Kaushik की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Ms.Tanvi Kaushik से डतण ।उंदौंतउं की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। डतण ।उंदौंतउं की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी

आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

## नाड़ी

डतण ।उंदॅौतउं की नाड़ी मध्य है तथा Ms.Tanvi Kaushik की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में डतण ।उंदॅौतउं एवं Ms.Tanvi Kaushik का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

डतण ।उंद ौंतउं की राशि भुमितत्व युक्त तथा Ms.Tanvi Kaushik की राशि भी भूमितत्व युक्त कन्या राशि है। अतः तत्वों की समानता के कारण डतण ।उंद ौंतउं और Ms.Tanvi Kaushik के मध्य स्वभावगत समताएं विद्यमान रहेंगी तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता होगी। फलतः वैवाहिक जीवन में सुख शान्ति रहेगी। अतः यह मिलान अच्छा रहेगा।

डतण ।उंद ौंतउं की राशि का स्वामी शनि तथा Ms.Tanvi Kaushik की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम एवं मित्रराशियों में पड़ते हैं। अतः इसके प्रभाव से डतण ।उंद ौंतउं और Ms.Tanvi Kaushik के आपसी संबंधों में मधुरता होगी तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहयोग तथा सहानुभुति का भाव रहेगा। साथ ही एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा एवं गुणों पर ध्यान देंगे फलतः पारिवारिक स्नेह के भाव में प्रगाढ्ता होगी तथा सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करेंगे। अतः डतण ।उंद ौंतउं और Ms.Tanvi Kaushik का दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा सुखद क्षणों की अनुभूति करते रहेंगे।

डतण ।उंद ौंतउं और Ms.Tanvi Kaushik की राशियां परस्पर पंचम तथा भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह एक भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से डतण ।उंद ौंतउं और Ms.Tanvi Kaushik के उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता रहेगी तथा मित्रता के स्थान पर शत्रुता एवं विरोध का भाव उत्पन होगा। साथ ही एक दूसरे की कमियों पर विशेष ध्यान देकर अनावश्यक समस्याओं तथा विवादों को उत्पन करेंगे। अतः इनका वैवाहिक जीवन अच्छा नहीं रहेगा। इसके अतिरिक्त परस्पर श्रेष्ठता तथा अहंकार का भाव भी रहेगा। अतः सामंजस्य तथा बुद्धिमता से ही शुभ फल प्राप्त होंगे।

डतण ।उंद ौंतउं का वश्य जलचर तथा Ms.Tanvi Kaushik का वश्य मानव है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक विषमताओं के कारण अभिरूचियों में भिन्नता रहेगी तथा रारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं अलग रहेंगी। साथ ही कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे। अतः दाम्पत्य जीवन मध्यम रहेगा।

डतण ।उंद ौंतउं तथा Ms.Tanvi Kaushik का वर्ण वैश्य है। अतः इसके प्रभाव से दोनों की प्रवृति धनार्जन में रहेगी तथा वाणिकबुद्धि से कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धन को जीवन में विशेष महत्व प्रदान करेंगे।

## धन

डतण ।उंद ौंतउं और Ms.Tanvi Kaushik का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से डतण ।उंद ौंतउं और Ms.Tanvi Kaushik

सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

डतण ।उंद ौतउं को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

## स्वास्थ्य

डतण ।उंद ौतउं और Ms.Tanvi Kaushik दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इसके प्रभाव से इनको समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इससे डतण ।उंद ौतउं और Ms.Tanvi Kaushik दोनों को उदर संबंधी कष्ट होगा तथा लीवर से संबंधित परेशानियां भी समय समय पर होती रहेंगी। वे अपच आदि से भी असुविधा की अनुभूति करेंगे। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव Ms.Tanvi Kaushik के स्वास्थ्य पर रहेगा इसके प्रभाव से इनको धातु या गुप्त रोग अथवा मासिक धर्म संबधी परेशानियां रहेंगी। अतः नाड़ी दोष एवं मंगल के अशुभ प्रभाव के कारण ऐसे मिलान की उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि उपरोक्त दुष्प्रभाव को कम करने के लिए हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करना शुभ रहेगा।

## संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण ।उंद ौतउं और Ms.Tanvi Kaushik का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण ।उंद ौतउं और Ms.Tanvi Kaushik के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.Tanvi Kaushik के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.Tanvi Kaushik को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.Tanvi Kaushik को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण ।उंद ौतउं और Ms.Tanvi Kaushik सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण ।उंद ौतउं और Ms.Tanvi Kaushik का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

Ms.Tanvi Kaushik के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms.Tanvi Kaushik के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms.Tanvi Kaushik अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms.Tanvi Kaushik के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

## ससुराल-श्री

डतण ।उंदौंतउं के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा डतण ।उंदौंतउं अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी डतण ।उंदौंतउं का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में डतण ।उंदौंतउं का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि डतण ।उंदौंतउं तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में डतण ।उंदौंतउं के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।